राजस्थान राज–पत्र
विशेषांक
साधिकार प्रकाशित

RAJASTHAN GAZETTE
Extraordinary
Published by Authority

श्रावण 23, गुरुवार, शाके 1936–अगस्त 14, 2014
Sravana 23, Thursday, Saka 1936–August 14, 2014

भाग 4 (ग)

उप–खण्ड (II)

राज्य सरकार तथा अन्य राज्य–प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये कानूनी आदेश तथा अधिसूचनाएं।

FACTORIES & BOILERS INSPECTION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Jaipur, August 14, 2014

S.O. 172.–In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 34 of the Boilers Act, 1923 (Central Act No. 5 of 1923), the State Government, having regard to the material, design or construction of boilers and to the need of rapid industrialization of the State, satisfied that it is necessary so to do, hereby exempts all such boilers or boiler components having the safe guard system for protection against over pressure, low water level, flame failure etc. to prevent the accidents of boilers as per the provisions of the Act, Rules and Regulations framed thereunder in the whole of the State from the operation of the provision of sub-sections (2), (3) and (5) of section 7, sub-section (5) of section 8, section 9, sub-section (1) of section 10, section 12 and section 13 of the said Act, subject to following conditions and restrictions, namely:-

SCHEDULE

(a) The inspection of the boiler and the boiler components and verification of addition and alteration as per the provisions of the said Act, Rules and Regulations framed thereunder, shall be carried out every year by any of the Competent Person as defined under clause (cb) of section 2 of the Boiler Act, 1923, recognized from time to time under Regulation 4J of the Indian Boiler Regulation, 1950.

(b) The Competent Person shall follow instructions and guidelines of the Chief Inspector and shall be liable and

responsible for any act, omission or commission committed against the provisions of the said Act, Rules and Regulations framed thereunder.

(c) The Competent Person shall submit records of inspection carried out by them to the Chief Inspector, Inspector and to the owner of the boiler within thirty days of carrying out the inspection and preferably on their web-site. It is clarified that on receipt of inspection report, it will be duly pasted in Memorandum of Inspection Book by the Competent Person.

(d) Report of daily chemical analysis for feed water and blow down water i.e. boiler water should be submitted monthly to the Competent Person for scrutiny and to the Chief Inspector of Factories & Boilers, Rajasthan for information.

(e) Working pressure of the boiler shall not exceed to that as specified in the last certificate issued as per the provisions of the said Act, Rules and Regulations framed thereunder.

(f) If any accident occurs to the boiler or boiler component during the use, than the use of the boiler shall be stopped immediately and the Chief Inspector shall be informed as per the provisions of the said Act, Rules and Regulations framed thereunder.

(g) The Boiler shall be attended compulsorily by qualified Boiler Operation Engineer(s) and/or Boiler Attendant(s) as per the provisions of the said Act, Rules and Regulations framed thereunder.

(h) This notification shall be applicable to such boiler and boiler components having the safe guard system for protection against over pressure, low water level, flame failure etc. for prevention of accidents of boilers as per the provisions of the said Act, Rules and Regulations framed thereunder and the provisions of these safe guards shall have to be certified by the owner of the boiler and the Competent Person.

[No. F3 (23) legal/F&B/2014-pt]
By the Order and in the name of
the Governor,
चन्द्रभान सिंह,
Sr. Dy. Secretary to the Government.

कारखाना एवं बायलर निरीक्षण विभाग

अधिसूचना

जयपुर, अगस्त 14, 2014

एस.ओ. 172:–बायलर अधिनियम, 1923 (1923 का केन्द्रीय अधिनियम सं.–5) की धारा 34 की उप–धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार, बायलरों की सामग्री, डिजाईन या निर्माण को और राज्य की त्वरित औद्योगिकीकरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, यह समाधान होने पर कि ऐसा किया जाना आवश्यक है, सम्पूर्ण राज्य में अधिनियम, तदधीन विरचित नियमों ओर विनियमों के उपबंधों के अनुसार बायलरों की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अति दबाव, निम्न जल स्तर, फ्लेम फेलयोर इत्यादि के प्रति संरक्षण के लिये सुरक्षा प्रणाली रखने वाले ऐसे समस्त बायलरों या बायलर संगठकों को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप–धारा (2), (3) और (5), धारा 8 की उप–धारा (5), धारा 9, धारा 10 की उप–धारा (1), धारा 12 और धारा 13 के उपबन्धों के प्रर्वतन से निम्न लिखित शर्तों एवं निर्बन्धनों के अध्यधीन रहते हुए, इसके द्वारा छूट प्रदान करती है, अर्थात् :–

अनुसूची

(क) उक्त अधिनियम, तदधीन विरचित नियमों ओर विनियमों के उपबंधों के अनुसार बायलर और बायलर संघटकों का निरीक्षण और परिवर्धन और परिवर्तन का सत्यापन बायलर अधिनियम, 1923 की धारा 2 के खण्ड (ग ख) के अधीन यथा–परिभाषित, भारतीय बायलर विनियम, 1950 के विनियम 4ञ के अधीन समय–समय पर मान्यता प्राप्त किसी सक्षम व्यक्ति द्वारा प्रतिवर्ष किया जायेगा।

(ख) सक्षम व्यक्ति मुख्य निरीक्षक के अनुदेशों ओर मार्गदर्शक सिद्धान्तों का अनुसरण करेगा ओर उक्त अधिनियम, तदधीन विरचित नियमों और विनियमों के उपबन्धों के विरुद्ध किये गये किसी कार्य, लोप या कृत्य के लिए दायी ओर जिम्मेदार होगा।

(ग) सक्षम व्यक्ति निरीक्षण किये जाने के तीस दिन के भीतर उसके द्वारा किये गये निरीक्षण के अभिलेख मुख्य निरीक्षक, निरीक्षक को और बायलर के स्वामी को और अधिमानतः उनकी वेबसाइट पर प्रस्तुत करेगा। यह स्पष्ट किया जाता है कि निरीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने पर,

सक्षम व्यक्ति द्वारा निरीक्षण पुस्तिका के ज्ञापन में इसे सम्यक् रूप से चिपकाया जायेगा ।

(घ) फीड वाटर और ब्लो डाउन वाटर अर्थात् बायलर जल के लिये दैनिक रसायन विश्लेषण की रिपोर्ट मासिक रूप से संवीक्षा के लिये सक्षम व्यक्ति को और मुख्य निरीक्षक, कारखाना एवं बायलर, राजस्थान को सूचना के लिए प्रस्तुत की जानी चाहिए।

(ङ) बायलर का वर्किंग प्रेशर उससे अधिक नहीं होगा जैसा उक्त अधिनियम, तदधीन विरचित नियमों और विनियमों के उपबंधों के अनुसार जारी अन्तिम प्रमाण पत्र में विनिर्दिष्ट किया गया है।

(च) यदि बायलर या बायलर संघटकों के उपयोग के दौरान कोई दुर्घटना घटित होती है तो बायलर का उपयोग तत्काल रोक दिया जायेगा और मुख्य निरीक्षक को उक्त अधिनियम, तदधीन विरचित नियमों, विनियमों के उपबंधों के अनुसार सूचित किया जायेगा।

(छ) बायलर की देखभाल आवश्यक रूप से उक्त अधिनियम, तदधीन विरचित नियमों, विनियमों के उपबंधों के अनुसार अर्हित बायलर आपरेशन अभियंता (अभियंताओं) और/या बायलर परिचारक (परिचारकों) द्वारा की जायेगी।

(ज) यह अधिसूचना उक्त अधिनियम, तदधीन विरचित नियमो, विनियमों के उपबंधों के अनुसार बायलरों की दुर्घटनाओं को रोकने के लिये अधिक दबाव, निम्न जल स्तर फ्लेम फेलयोर इत्यादि के प्रति संरक्षण के लिए सुरक्षा प्रणाली रखने वाले ऐसे बायलरों और बायलर संघटकों को लागू होगी और इन रक्षोपायों के उपबंध बायलर के स्वामी और सक्षम व्यक्ति द्वारा प्रमाणित किये जायेगे।

[संख्या एफ. 3(23) लीगल/एफ. एण्ड बी./2014–पार्ट]

राज्यपाल के नाम और आदेश से,

चन्द्रभान सिंह,

वरिष्ठ उप शासन सचिव।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।

Criteria and procedure for accreditation and empanelment and responsibilities of third-party service providers (Competent Person) are as per **Government of India notification dated the 7th October, 2010**. The extract is given below:

PROCEDURE FOR RECOGNITION OF COMPETENT PERSON (Third Party) :-

(a) this regulation provides the requirements for the uniform qualification, examination, issuance and renewal of Central Boiler Board authorisation to act as a competent person;

(b) candidates meeting these requirements may be qualified to be issued a Central Boilers Board authorisation;

(c) Competent persons may be allowed to inspect and certify the boilers under the Boilers Act during manufacture, erection , operation and maintenance throughout India.

(d)an examination shall be conducted by the Central Boilers Board Examination Standing Committee or an agency or Regional Examination Standing Committees authorised by it.

Please Click the link below to read the **Government of India notification dated the 7th October, 2010**-

l Accreditation and empanelment and responsibilities of third-party

(URL: http://dipp.nic.in/boiler_rules_updated/Amendment01_07Oct2010.pdf)

Liability in the event of an accident falls upon

(a)Owner or person in charge:

1. In case of a person be compelled or allowed to go inside a steam boiler for any purpose whatsoever unless the boiler is effectively disconnected in the manner hereinafter prescribed from any steam or hot water communication with any other boiler.
2. If fails to report an accident to a boiler or steam-pipe within twenty-four hours of the accident, in writing to the Inspector.
3. In case of non-compliance with the condition of the above notification dated 14-08-2014.

(b) Any person who

1. tempers with a safety valve of a boiler so as to render it inoperative at the maximum pressure at which the use of the boiler is authorised.

2. fails to comply with the requirements of operation and maintenance for safe use of boiler.

Note: The liabilities are laid out by Government of India in Boilers Act, 1923 (URL: http://dipp.nic.in/boiler_rules_updated/boilerAct_1923.pdf).